**FOR MLIS STUDENTS**

Course : - Masters of Library and Information Science

(MLIS)

Paper : - Paper-I

Prepared By: - Aftab Ahmad, Assistant Librarian, Faculty Library Science
School of Library and Information Sciences, Nalanda Open University

# Topic: - INFORMATION PROFESSION

Scanned with CamScanner

# पुस्तकालय एवं सूचना व्यवसाय
# (Information Profession)

## पाठ-संरचना (Lesson Structure)


13.0 उद्देश्य (Objectives)

13.1 परिचय (Introduction)

13.2 सूचना व्यवसायी (Information Professional)

13.3 सूचना व्यवसाय के मूल सिद्धान्त
(Core Values of Information Profession)

13.4 सूचना व्यवसाय के विकास के विभिन्न चरण
(Different Stages of Development of Information Profession)

13.5 21वीं शताब्दी में सूचना व्यवसायीयों की भूमिका
(Role of Information Professionals in 21st Century)

13.6 सारांश (Summary)


## 13.0 उद्देश्य (Objective)

प्रस्तुत पाठ में सूचना समाज के परिप्रेक्ष्य में सूचना व्यवसाय एवं सूचना व्यवसायी को समझाने हेतु प्रयास किया जायेगा । इसमें सर्वप्रथम हम सूचना व्यवसायी को स्पष्ट करने का प्रयास करेंगे । तत्पश्चता सूचना व्यवसाय के मूल सिद्धान्तों पर प्रकाश डालेंगे । साथ ही सूचना व्यवसाय के विकास को स्पष्ट करने का प्रयास करेंगे एवं सूचना व्यवसाय के विकास के विभिन्न चरणों को दर्शायेंगे । अन्त में 21वीं शताब्दी के समाज में सूचना व्यवसायियों की भूमिका का वर्णन करेंगे ।



Scanned with CamScanner

## 11.1 परिचय (Introductin)

सरकारों, संस्थाओं एवं विभिन्न व्यवसायों की मूलभूत सूचना आवश्यकताओं को तभी पूरा किया जा सकता है जब उपलब्ध संसाधनों के माध्यम से अपेक्षित सूचनाओं को सबंन्धित उपयोगकर्ताओं तक सही तरह से पहुँचाया जाये । इसकी उद्देश्य की पूर्ति हेतु गुणवत्तापरक सूचना सेवायें प्रदान करने के लिए परम्परागत पुस्तकालय व्यवसाय ने परिवर्तित होकर सूचना व्यवसाय का स्वयप अर्जित किया । यह सूचना व्यवसाय अपने परम्परागत स्वरूप से पूर्णत तरह से कार्य करता है । सूचना व्यवसाय आज सूचना स्रोतों, सूचना तंत्रों एवं सूचना उपयोगकर्ताओं के मध्य एक मस्तिष्क के रूप में कार्य करता है ।

व्यवसाय को आजीविका के प्रयोजन के लिए एक कारोबार के रूप में पारिभाषित किया जा सकता है । यह एक नौकरी, कार्य प्रक्रिया, पद, व्यापार इत्यादि के रूप जाना या पहचाना जा सकता है । किसी भी व्यवसाय के लिए आमतौर पर एक शैक्षणिक/व्यवसायिक डिग्री की अवश्यकता होती है । एक व्यवसा के रूप में सूचना व्यवसाय की परिपक्वता एव स्वीकृति के सन्दर्भ में तीन तरह की विचारधाराओं का वर्णन किया गया है–

1. सूचना व्यवसाय एक व्यवसाय नहीं है । इस विचर का मैडेन, मून, मूरे और मैकफेरन आदि विद्वानों के द्वारा समर्थन किया गया है ।
2. सूचना व्यवसाय एक उभरता हुआ व्यवसा है । इस मत का समर्थन गुउे, रूसी, शेफर और गुलिस आदि के द्वारा किया गया है ।
3. सूचना व्यवसाय एक पूर्णरुपेण विकसित व्यवसा है । यह डेवी (Dewey), बनडे (Bunday), रिवेस (Reeves) और ऐशन (Aishen) के मतों द्वारा समर्थित है ।

विभिन्न विद्वानों के मध्य उक्त बिन्दु पर विचार की किसी आम सहमति के अभाव के कारण हमें व्यवसा की मुख्य विशेषताओं पर ध्यान केन्द्रित करना चाहिए । उक्त सन्दर्भ में सूचना व्यवसाय की प्रमुख विशेषताएँ निम्नलिखित हैं–

- एक विशिष्ट ज्ञान एवं तकनीकी कौशल ।
- औपचारिक प्रशिक्षण और अनुभव ।
- एक नैतिक कोड या आचरण का मानक ।
- मौद्रिक लाभ के बजाय समाज में सेवा क लिए प्रतिबद्धता ।
- शैक्षणिक पाठ्यक्रम के एक स्वरूप के रूप में ।
- इसमें आर्थिक लाभ सफलता की मापन नहीं है ।
- विभिन्न स्थापित विषयों से स्पष्ट अलगाव ।
- व्यवसायिक संघ ।

उपर्युक्त दिये गये सभी मापदण्डों का सूचना व्यवसाय में अक्षरशः पालन किया जाता है । अतः इस आधार पर सूचना व्यवसाय को व्यवसायिक अभ्यास के एक स्थापित क्षेत्र के रूप में माना जा सकता है ।



Scanned with CamScanner

एन्साइक्लोपीडिया ऑफ लाइब्रेरी एण्ड इन्फार्मेशन साइन्स में सूचना व्यवसाय के तीन महत्वपूर्ण तथ्यों पर जोर दिया गया है–

- विभिन्न सूचना सेवायें, जो एक उपयोगकर्ता समुदाय के लिये विकसित सूचनाओं के एक संग्रह पर आधारित हैं, पर केन्द्रित है ।
- निर्माण एवं प्रबन्धन के दायित्व और सूचनाआं का एक स्थान से दूसरे स्थान पर समुचित रूप से आदान–प्रदान की जिम्मेदारी का निर्वहन करता है ।
- सूचना नीति और सूचना के संग्रह, उसे बनाये रखने तथा उसके वितरण के ढांचे के बारे में व्यवसायिक निर्णय लेने का कार्य करता है ।

## 13.2 सूचना व्यवसायी (Information Professional)

एक सूचना व्यवसायी वह व्यक्ति होता है जो एक विशिष्ट उपाधि धारक हो एवं व्यवसाय की कुछ विशेषज्ञता रखता हो । कुछ ऐसे क्षेत्र जहाँ सूचना व्यवसायियों की आवश्यकता होती है, निम्नलिखित हैं–

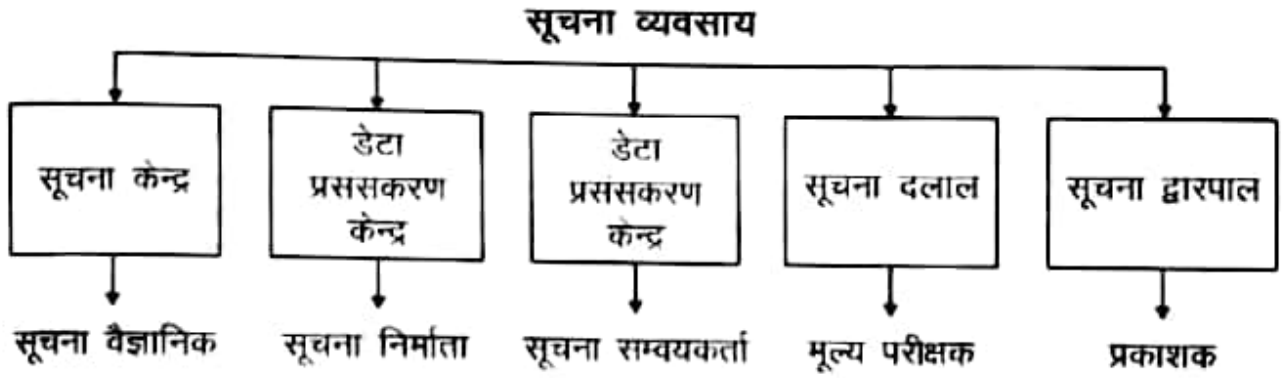


ऊपर दिये गये रेखाचित्र में सूचना व्यवसायी के वर्गी करण के आधार पर हम निश्चित रूप से यह कह सकते हैं कि वर्तमान समय में पुस्तकालय एवं सूचना केन्द्रों की भूमिका पूर्ण रूपेण बदल चुकी है । पूर्व के पुस्तकालयों की यर्थाथ व्यवस्था वर्तमान के अभासी (वर्चुअल) पुस्तकालय के स्वरूप में परिवर्तित हो रही है । आज के सूचना एवं पुस्तकालय तंत्र में पुस्तकालय को विशाल भौतिक स्वरूप (Library without walls) की आवश्यकत नहीं होती एवं यहाँ पुस्तकालय सेवाओं को प्रदान करने हेतु सूचना विशेषज्ञों के द्वारा सूचना का प्रबंधन किया जाता है । वर्तमान में ऐसे अनेक सूचना केन्द्र हैं जिनमें सूचना वैज्ञानिक एक व्यवसायी के रूप में कार्य करते हैं । ठीक इसी तरह आज कई ऐसे डेटा प्रसंस्करण केन्द्र तथा सूचना समेकन केन्द्र हैं, जहाँ सूचना निर्माता और सूचना समेकनक एक व्यवसायी की तरह काम करते हैं ।

इसके अतिरिक्त कई नये व्यवसायिक पदनाम जो सूचना से जुड़े हुये हैं, निकट भविष्य में संज्ञान में आये हैं । इनमें से कुछ प्रमुख हैं– सूचना दलाल (Information Broker), जो सूचना के महत्व का आंकलन करता है; तथा सूचना द्वारपाल (Information Gatekeeper), जो सूचना के मार्ग को नियंत्रित



Scanned with CamScanner

करता है इत्यादि । यहां प्रस्तुत तथ्यों के आधार पर यह स्पष्ट हो चुका है कि पुस्तकालय और सूचना व्यवसाय में तीव्रता से परिवर्तन हो रहा है, परन्तु आर०एल० मित्तल (R L Mittal) द्वारा प्रतिपादित पुस्तकालय विज्ञान की व्यवसायिक आचार संहिता (Professional ethics) आज भी पूर्व की तरह ही सटीक एवं कारगर रूप से हमारे बदले हुये स्वरूप को भी मार्गदर्शित कर रही है । ये व्यवसायिक आचार संहिता (Professional Ethics) निम्नलिखित बिन्दुओं पर आधारित है–

1. औपचारिक पुस्तक चयन
2. स्वयं से पहले सेवा
3. विभाजित मन (Split-Mind)
4. सहानुभूतिपूर्ण व्यवहार
5. चातुर्य
6. परिश्रमी
7. विद्वता

क्योंकि सूचना व्यवसाय की प्रकृति दिन–प्रतिदिन नवीन एवं तीव्र गति से उभरती हुयी सूचनाओं के साथ बदल रही है, ऐसी स्थिति में पुस्तकालय व्यवसायियों एवं सूचना वैज्ञानिकों के लिये यह आवश्यक है कि वे इस तरह की नवीन एवं नवजात सूचना से अपने को आद्यतन बनाये रखें ।

## 13.3 सूचना व्यवसाय के मूल सिद्धान्त (Core Values of Information Profession)

सूचना व्यवसाय की नींव इसके मूल सिद्धान्तों आधारित बिन्दुओं पर निर्भर है, यही मूल सिद्धान्त इस व्यवसा को पारिभाषित करने, मार्गदर्शित करने एवं इसके समस्त व्यवसायिक कार्यों को सम्पादित करने में मार्गदर्शित करते हैं । ये मूल सिद्धान्त इस व्यवसाय के इतिहास एवं विभिन्न विकास के कार्यों को प्रतिबिम्बित करते हैं, जो ए०एल०ए० के द्वारा उसके बहुत से नीतिपरक कथनों में परिलक्षित होता रहा है । इन मूल सिद्धान्तों पर आधारित प्रमुख बिन्दु निम्नलिखित हैं–

1. अधिगम
2. गोपनीयता
3. प्रजातांत्रिकता
4. विविधता
5. शिक्षा और जीवनपर्यन्त सीखना
6. बौद्धिक स्वतंत्रता
7. परिरक्षण
8. सार्वजनिक अच्छाइयाँ
9. व्यवसायवाद



Scanned with CamScanner

10. सेवा

11. समाजिक जिम्मेदारियाँ

## 13.4 सूचना व्यवसाय के विकास के विभिन्न चरण (Different Stages of Development of Information Profession)

सूचना व्यवसाय का विकास एक विषय विशेष के तात्कालिक विकास का उदाहरण नहीं है, वरन् यह एक लम्बे समयान्तराल में सूचना प्रौद्योगिकी के पुस्तकालय व्यवसाय में बढ़ते हुये प्रभाव के परिणामस्वरूप हुये उद्‌भव का परिणाम है ।

पुस्तकालय एवं सूचना व्यवसाय के विकास को निम्नलिखित फेज या चरणों में प्रदर्शित किया जा सकता है–

- 1876 पुस्तकालय अर्थव्यवस्था (Library Economy)
- 1900 पुस्तकालय व्यवसाय (Librarianship)
- 1950 पुस्तकालय और सूचना विज्ञान (Library and Information Science)
- 2000 सचूना विज्ञान (Information Science)

डॉ० गिरजा कुमार के अनुसार पुस्तकालय एवं सचूना विज्ञान व्यवसाय, उत्पति एवं विकास के दृष्टिकोण से विभिन्न तीन पीढियों (Epochs) से होकर गुजरा है । ये पीढ़ीयें निम्नलिखित हैं–

- 1876–1950 (विवरणात्मक युग) व्यवहारिक पुस्तकालय व्यवसाय (Descriptive Era)
- 1950–2000 (गतिशील युग) स्थापित सिद्धान्तों की जरूरत (Dynamism Era)
- 2000 से अब तक (डिजिटल युग) पुस्तकालय का प्रार्दुभाव (Digital Era)

## 13.5 21वीं शताब्दी में सूचना व्यवसायीयों की भूमिका (Role of Information Professionals in 21st Century)

21वीं शताब्दी सूचना प्रौद्योगिकी आधारित डिजिटल समाज का प्रतिनिधित्व करती है । इस परिदृश्य में निश्चिततौर पर समाज का एक महत्वपूर्ण घटक होने के कारण सूचना व्यवसायियों की एक महती भूमिका है । सूचना व्यवसायियों की इस सन्दर्भ में बदली हुयी भूमिका को निम्न बिन्दुओं से स्पष्ट किया जा सकता है–

1. इन्टरनेट एवं नेटवर्किंग के प्रयोग से पुस्तकालयाध्यक्ष का सूचना के संग्रहण और अधिगम के कार्यों को सम्पादित करना ।
2. डिजिटल क्रांति के परिणामस्वरूप नवीन सूचना उत्पादों जैसे डेटाबेस, डिजिटल कैटलाग, बार कोड के प्रयोग इत्यादि को प्रबंधित करना ।



Scanned with CamScanner

3. तत्काल जानकारी के लिए आर०एस०एस० (RSS) फीड आदि के प्रयोगों को लागू करना ।

## 13.6 सारांश (Summary)

इस पाठ में हमने सूचना व्यवसाय एवं सूचना व्यवसायी को सही तरह से समझने हेतु समस्त जानकारीयें प्रस्तुत कीं । इसके लिये सर्वप्रथम हमने सूचना समाज एवं सूचना व्यवसाय को पारिभाषित करने का प्रयास किया । सूचना व्यवसाय के मूल सिद्धान्तों पर आधारित विभिन्न बिन्दुओं पर प्रकाश डाला । सूचना व्यवसाय के विकास को दर्शाते हुये उसके विभिन्न चरणों को स्पष्ट किया । अन्त में 21वीं शताब्दी में सूचना प्रौद्योगिकी के बढ़ते हुये प्रयोग से बदले हुये परिदृश्य में सूचना व्यवसाय की भूमिका को स्पष्ट किया ।

Scanned with CamScanner